### कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह हुआ

# जीवन में कितनी ही ऊंचाइयों पर चले जाएं, पर बिना संस्कार के शिक्षा मूल्यहीन : डॉ. सुकामा

भास्कर न्यूज़ | गोहाना

रुड़की के विश्ववारा कन्या गुरुकुल की प्राचार्य एवं पद्मश्री आचार्या डॉ. सुकामा ने कहा कि शिक्षा का मूल संस्कार है। यही मूल सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का माध्यम है। जीवन में चाहे कितनी ही ऊंचाइयों पर चले जाएं, लेकिन बिना संस्कार के शिक्षा मूल्यहीन है। वह बुधवार को बीपीएस महिला विवि के सभागार में कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि छात्राओं को संबोधित कर रही थीं।

डॉ. सुकामा ने कहा कि कन्या गुरुकुल महात्मा भगत फूल सिंह की तपोस्थली हैं। इस संस्थान से शिक्षा ग्रहण करना छात्राओं के लिए गौरव की बात है। विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि नई तकनीक, विज्ञान व भाषाएं अवश्य सीखें, लेकिन अपनी मूल वैदिक परंपरा को साथ अवश्य रखें। पुरातन गौरव को बरकरार रखने की दिशा में विवि प्रशासन हर संभव सहयोग देगा। छात्राओं द्वारा युग प्रवर्तक स्वामी दयानंद को समर्पित ऋषि गाथा, नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा मैं कृष्ण हूं नृत्य नाटिका व भगत फूल सिंह के जीवन को समर्पित नाटिका शिक्षा के ज्योतिर्पुंज आकर्षण का केंद्र बने। योग नृत्य नाटिका सर्वभूतेषु शांतिः द्वारा छात्राओं ने विभिन्न योग मुद्राओं का जानकारी दी। पंजाबी गिद्दे के अलावा पद्मश्री सुभाषिणी के जीवन पर आधारित नाटिका गुरुकुल से विश्वविद्यालय तक के मंचन द्वारा नारी शिक्षा में उनके योगदान को दर्शाया गया। वहीं हरियाणवी नृत्य, शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जीवन वृतांत और देशभक्ति नृत्यों की भी प्रस्तुति दी गईं। सर्वश्रेष्ठ हाउस की ट्रॉफी गंगा हाउस को प्रदान की गई। विजेताओं को डॉ. सुकामा व प्रो. सुदेश ने स्मृति चिन्ह व तुलसी दल भेंट करके उन्हें सम्मानित किया इस मौके पर स्कूल प्राचार्य सुमिता सिंह, विवि की चीफ वार्डन डॉ. सुमन दलाल आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति देती छात्राएं।

CITY AIR NEWS

DEDICATED TO LATE SHRI H.R. DHIMAN (JOURNALIST) STRAIGHT FORWARD

Hindi News

# नई तकनीक, विज्ञान व भाषाएं अपनाने के साथ मूल परंपराओं से भी जुड़े रहें विद्यार्थीः कुलपति प्रो सुदेश

कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का वार्षिक समारोह आयोजित।

Girish Saini Feb 7, 2024 09:21 0

Facebook Twitter

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश की अध्यक्षता में कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह बुधवार को आयोजित किया गया।

बतौर मुख्य अतिथि विश्ववारा कन्या गुरुकुल, रुड़की की प्राचार्या पद्मश्री आचार्या डॉ सुकामा ने इस समारोह में शिरकत की। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर पहुंचने पर सर्वप्रथम भगत फूल सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

महिला विश्वविद्यालय के संस्कारम सभागार में आगमन पर मुख्य अतिथि, कुलपति व कुलसचिव का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। वार्षिक समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि पद्मश्री आचार्या डॉ सुकामा, कुलपति प्रो सुदेश, कुलसचिव प्रो नीलम मलिक व प्राचार्या सुमिता सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। विश्वविद्यालय कुलगीत के उपरांत छात्राओं ने ईश स्तुति प्रस्तुत की।

प्राचार्या सुमिता सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया और मुख्य अतिथि पद्मश्री आचार्या डॉ सुकामा का जीवन परिचय दिया। वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा दिया।

मुख्य अतिथि पद्मश्री आचार्या डॉ सुकामा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा का मूल संस्कार है। यही मूल सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि जीवन में चाहे कितनी ही ऊंचाइयों पर चले जाएं, लेकिन बिना संस्कार के शिक्षा मूल्यहीन है। उन्होंने कन्या गुरुकुल को महात्मा भगत फूल सिंह की तपोस्थली बताते हुए कहा कि इस स्थान से शिक्षा ग्रहण करना आप सभी छात्राओं के लिए गौरव की बात है। पद्मश्री आचार्या डॉ सुकामा ने नारी शिक्षा व सशक्तिकरण के मूल उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए कुलपति प्रो सुदेश के प्रयासों की प्रशंसा की।

अपने प्रभावशाली अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो सुदेश ने समारोह के बेहतरीन आयोजन के लिए शिक्षकों की मेहनत और छात्राओं की प्रतिभा को सराहते हुए प्राचार्या सुमिता सिंह व आयोजक टीम को बधाई दी। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वे मुख्य अतिथि पद्मश्री आचार्या डॉ सुकामा के जीवन से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र व समाज निर्माण में योगदान दें। कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि नई तकनीक, विज्ञान व भाषाएं अवश्य सीखें, लेकिन अपनी मूल वैदिक परंपरा को साथ अवश्य रखें। उन्होंने पुरातन गौरव को बरकरार रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन हरसंभव सहयोग देगा। कुलपति ने छात्राओं को मन लगाकर अध्ययन करने और जीवन मूल्य सीखने का मंत्र दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला की शुरुआत छात्राओं द्वारा युग प्रवर्तक स्वामी दयानंद को समर्पित "ऋषि गाथा" के साथ हुई। नन्हें मुन्ने बच्चों द्वारा "मैं कृष्ण हूं" नृत्य नाटिका की प्रस्तुति पर पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। इसके बाद भगत फूल सिंह के जीवन को समर्पित नाटिका "शिक्षा के ज्योतिर्पुंज" के माध्यम से नारी शिक्षा में उनके योगदान को याद किया गया। योग नृत्य नाटिका "सर्वभूतेषु शांतिः" द्वारा छात्राओं ने विभिन्न योग मुद्राओं का जानकारी दी। तत्पश्चात सभागार में पंजाबी गिद्दे की थाप गूंजी, जिसने उपस्थित जन का मन मोह लिया। पद्मश्री सुभाषिणी के जीवन पर आधारित नाटिका "गुरुकुल से विश्वविद्यालय तक" के मंचन द्वारा नारी शिक्षा में उनके योगदान को दर्शाया गया। इसके अलावा हरियाणवी नृत्य, शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जीवन वृतांत तथा देशभक्ति नृत्य भी प्रस्तुत किए गए।

अतिथियों ने छात्राओं द्वारा लगाई गई विज्ञान प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। वार्षिक समारोह में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में शिक्षण तथा खेल सहित अन्य पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ हाउस की ट्रॉफी गंगा हाउस को प्रदान की गई। मुख्य अतिथि तथा कुलपति को कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की ओर से स्मृति चिह्न व तुलसी दल भेंट किया गया। विद्यालय की शिक्षिका संगीता ने आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस मौके पर चीफ वार्डन डॉ सुमन दलाल, कन्या गुरुकुल की शिक्षिकाएं व छात्राएं मौजूद रही।

Tags: new technology | science and language | original traditions | vice chancellor prof sudesh

‹ PREVIOUS ARTICLE
सांपला में दुकान पर फायरिंग कर फिरौती मांगने की घटना

NEXT ARTICLE ›
एनएसएस स्वयंसेवकों ने किया साक्षरता सर्वेक्षण

## RELATED POSTS

पीएचडी में दाखिले के लिए रिक्त सीटों के लिए साक्षात्कार...

असंध के स्कूली विद्यार्थियों ने किया आईएचटीएम का शैक्षणिक...

पात्र लोगों को सेवाओं का लाभ सुनिश्चित करना रहेगी प्राथमिकताः...

## COMMENTS

Name

Email

Comment

I'm not a robot
reCAPTCHA
Privacy - Terms

Post Comment

THURSDAY 8TH OF FEBRUARY 2024 11:12:53 AM

## POPULAR POSTS

Weekly Posts

Interim Budget proposes significant cut in Civil Aviation...

Annual Calendar for 2024 released during executive meeting...

61st Annual Fair of Shree Sidh Baba Keshav Nath Ji on Feb...

BMW Group India presents India Art Fair 2024

Delhi Police bust two call centres indulging in duping...

## FOLLOW US

Facebook | Twitter | Pinterest | Linkedin | Youtube | Email

## RECOMMENDED POSTS

Nation
Protect our Constitution, says Himachal CM on R-Day

No failure is absolute (Column: The Third Eye)

Maha Speaker seeks to 'please all': No MLAs disqualified,...

Street food of Delhi in winters

Bihar can't stop drain of human capital sans industrial...

Rajasthan Speaker promises paperless, tech-savvy Assembly...

## GUEST POST

For advertisement, news, article, guest post, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

CITY AIR NEWS

The web portal that brings the latest breaking news in Ludhiana and the way across Punjab is using International language i.e. English for daily news. Even today's headline in English was liked by many. The website has business news in English, latest Bollywood gossips, sports updates and political news.

RANDOM POSTS

समाचार विश्लेषण/काशी विश्वनाथ और उत्तर प्रदेश के चुनाव

गीता का दर्शन कर्म पर आधारित: चंद्रशेखर

Thinnest range of chips 'Lay's Wafer Style' launched

Numeric redefines standards in single-phase UPS with launch...

SOCIAL MEDIA

Subscribe here to get interesting stuff and updates!

Email Address Subscribe

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

# कितनी भी ऊंचाइयां छू लें, संस्कार बिना शिक्षा मूल्यहीन : डॉ. सुकामा

## महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल स्कूल का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

गोहाना मुद्रिका, 7 फरवरी : बुधवार को बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश की अध्यक्षता में कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विश्ववारा कन्या गुरुकुल, रुड़की की पद्मश्री डॉ सुकामा रहीं।

डॉ. सुकामा ने कहा कि शिक्षा का मूल संस्कार है। जीवन में चाहे कितनी ही ऊंचाइयों को छू लें, लेकिन बिना संस्कार के शिक्षा मूल्यहीन है। वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि नई तकनीक, विज्ञान व भाषाएं अवश्य सीखें, लेकिन अपनी मूल वैदिक परंपरा को साथ अवश्य रखें।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत छात्राओं द्वारा स्वामी दयानंद को समर्पित "ऋषि गाथा" के साथ हुई। नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा "मैं कृष्ण हूं" नृत्य नाटिका की प्रस्तुति की गई। इसके बाद भगत फूल सिंह के जीवन पर नाटिका "शिक्षा के ज्योतिर्पुंज" का मंचन हुआ।

योग नृत्य नाटिका "सर्वभूतेषु शांतिः" द्वारा छात्राओं ने विभिन्न योग मुद्राओं का जानकारी दी। सभागार में पंजाबी गिद्दे की थाप भी गूंजी। शैक्षणिक सत्र 2023-24 में शिक्षण तथा खेल सहित अन्य पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया।

सर्वश्रेष्ठ हाउस की ट्रॉफी गंगा हाउस को प्रदान की गई। अतिथियों को कन्या गुरुकुल स्कूल की ओर से तुलसी दल भेंट किया गया।

पंजाब केसरी
THU,08 FEBRUARY 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

*डॉ. सुकामा और प्रो. सुदेश के साथ सम्मानित की गई छात्राएं।* (अरोड़ा)

# कितनी भी ऊंचाइयां छू लें, संस्कार बिना शिक्षा मूल्यहीन: डॉ. सुकामा

## महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल स्कूल का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह

गोहाना, 7 फरवरी (अरोड़ा): आज बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश की अध्यक्षता में कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विश्ववारा कन्या गुरुकुल, रुड़की की पद्मश्री डॉ. सुकामा रहीं।

डॉ. सुकामा ने कहा कि शिक्षा का मूल संस्कार है। जीवन में चाहे कितनी ही ऊंचाइयों को छू लें, लेकिन बिना संस्कार के शिक्षा मूल्यहीन है। वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि नई तकनीक, विज्ञान व भाषाएं अवश्य सीखें, लेकिन अपनी मूल वैदिक परंपरा को साथ अवश्य रखें।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरूआत छात्राओं द्वारा स्वामी दयानंद को समर्पित 'ऋषि गाथा' के साथ हुई। नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा 'मैं कृष्ण हूं' नृत्य नाटिका की प्रस्तुति की गई। इसके बाद भगत फूल सिंह के जीवन पर नाटिका 'शिक्षा के ज्योतिपुंज' का मंचन हुआ।

योग नृत्य नाटिका 'सर्वभूतेषु शांति:' द्वारा छात्राओं ने विभिन्न योग मुद्राओं का जानकारी दी। सभागार में पंजाबी गिद्दे की थाप भी गूंजी। शैक्षणिक सत्र 2023-24 में शिक्षण तथा खेल सहित अन्य पाठ्येत्तर गतिविधियों में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया।

सर्वश्रेष्ठ हाऊस की ट्रॉफी गंगा हाऊस को प्रदान की गई। अतिथियों को कन्या गुरुकुल स्कूल की ओर से तुलसी दल भेंट किया गया।

# नई तकनीक, विज्ञान व भाषाएं अपनाने के साथ मूल परंपराओं से भी जुड़े रहें विद्यार्थी: कुलपति प्रो सुदेश

**खानपुर कलां, गिरीश सैनी (ऋषि की आवाज ब्यूरो)।** भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश की अध्यक्षता में कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह बुधवार को आयोजित किया गया।

बतौर मुख्य अतिथि विश्ववारा कन्या गुरुकुल, रुड़की की प्राचार्या पद्मश्री आचार्या डॉ सुकामा ने इस समारोह में शिरकत की। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर पहुंचने पर सर्वप्रथम भगत फूल सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

महिला विश्वविद्यालय के संस्कारम सभागार में आगमन पर मुख्य अतिथि, कुलपति व कुलसचिव का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय कुलगीत के उपरांत छात्राओं ने ईश स्तुति प्रस्तुत की। प्राचार्या सुमिता सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया और मुख्य अतिथि पद्मश्री आचार्या डॉ सुकामा का जीवन परिचय दिया। वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा दिया।

मुख्य अतिथि पद्मश्री आचार्या डॉ सुकामा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा का मूल संस्कार है। यही मूल सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि जीवन में चाहे कितनी ही ऊंचाइयों पर चले जाएं, लेकिन बिना संस्कार के शिक्षा मूल्यहीन है। उन्होंने कन्या गुरुकुल को महात्मा भगत फूल सिंह की तपोस्थली बताते हुए कहा कि इस स्थान से शिक्षा ग्रहण करना आप सभी छात्राओं के लिए गौरव की बात है। पद्मश्री आचार्या डॉ सुकामा ने नारी शिक्षा व सशक्तिकरण के मूल उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए कुलपति प्रो सुदेश के प्रयासों की प्रशंसा की।

अपने प्रभावशाली अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो सुदेश ने समारोह के बेहतरीन आयोजन के लिए आयोजक टीम को बधाई दी। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वे मुख्य अतिथि पद्मश्री आचार्या डॉ सुकामा के जीवन से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र व समाज निर्माण में योगदान दें। कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि नई तकनीक, विज्ञान व भाषाएं अवश्य सीखें, लेकिन अपनी मूल वैदिक परंपरा को साथ अवश्य रखें। उन्होंने पुरातन गौरव को बरकरार रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन हरसंभव सहयोग देगा। कुलपति ने छात्राओं को मन लगाकर अध्ययन करने और जीवन मूल्य सीखने का मंत्र दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला की शुरुआत छात्राओं द्वारा युग प्रवर्तक स्वामी दयानंद को समर्पित ‹ऋषि गाथा› के साथ हुई। पद्मश्री सुभाषिणी के जीवन पर आधारित नाटिका ‹गुरुकुल से विश्वविद्यालय तक› के मंचन द्वारा नारी शिक्षा में उनके योगदान को दर्शाया गया। इसके अलावा हरियाणवी नृत्य, शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जीवन वृतांत तथा देशभक्ति नृत्य भी प्रस्तुत किए गए।

अतिथियों ने छात्राओं द्वारा लगाई गई विज्ञान प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। वार्षिक समारोह में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में शिक्षण तथा खेल सहित अन्य पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ हाउस की ट्रॉफी गंगा हाउस को प्रदान की गई। मुख्य अतिथि तथा कुलपति को कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की ओर से स्मृति चिह्न व तुलसी दल भेंट किया गया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

## वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतिभाओं का किया सम्मान

# बिना संस्कारों के शिक्षा मूल्यहीन : पदमश्री सुकामा

### कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां में कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि पद्मश्री आचार्या डॉ. सुकामा ने कहा कि जीवन में चाहे कितनी ही ऊंचाइयों पर चले जाएं, लेकिन अपने संस्कारों न छोड़ें। बिना संस्कार के शिक्षा मूल्यहीन है। समारोह का शुभारंभ पद्मश्री आचार्या डॉ. सुकामा, कुलपति प्रो. सुदेश, कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक और प्राचार्या सुमिता सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया।

गोहाना। प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश। फोटो: हरिभूमि

मुख्यातिथि ने कन्या गुरुकुल को महात्मा भगत फूल सिंह की तपोस्थली बताते हुए कहा कि इस स्थान से शिक्षा ग्रहण करना आप सभी छात्राओं के लिए गौरव की बात है। उन्होंने नारी शिक्षा व सशक्तिकरण के मूल उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए कुलपति प्रो. सुदेश के प्रयासों की प्रशंसा की। विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्या सुमिता सिंह व आयोजक टीम को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि नई तकनीक, विज्ञान व भाषाएं अवश्य सीखें, लेकिन अपनी मूल वैदिक परंपरा को साथ अवश्य रखें। उन्होंने पुरातन गौरव को बरकरार रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन हरसंभव सहयोग देगा। वार्षिक समारोह में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में शिक्षण तथा खेल सहित अन्य पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ हाउस की ट्रॉफी गंगा हाउस को प्रदान की गई। इस अवसर पर चीफ वार्डन डॉ. सुमन दलाल, कन्या गुरुकुल की शिक्षिकाएं व छात्राएं उपस्थित रही।

**हर संभव मदद का भरोसा**

छात्र नई तकनीक, विज्ञान व भाषाएं अवश्य सीखें, लेकिन अपनी मूल वैदिक परंपरा को साथ अवश्य रखें। इस दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन हरसंभव सहयोग देगा **प्रो. सुदेश, कुलपति**

# पद्मश्री डा. सुकामा ने छात्रों को किया सम्मानित

**वि., गोहाना** : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विश्ववारा कन्या गुरुकुल, रुड़की की प्राचार्य पद्मश्री डा. सुकामा ने शिरकत की और अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। मुख्य अतिथि ने भगत फूल सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। संस्कारम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बेहतर प्रस्तुति दी। प्राचार्य सुमिता सिंह ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

पद्मश्री डा. सुकामा छात्राओं को सम्मानित करते हुए● सौ. विश्वविद्यालय प्रवक्ता

मुख्य अतिथि डा. सुकामा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का मूल संस्कार है। यही मूल सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का माध्यम है। जीवन में चाहे कितनी ही ऊंचाइयों पर चले जाएं, लेकिन बिना संस्कार के शिक्षा मूल्यहीन है। उन्होंने नारी शिक्षा व सशक्तिकरण के मूल उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए कुलपति प्रो सुदेश के प्रयासों की प्रशंसा की। कुलपति ने छात्राओं का आह्वान किया कि वे पद्मश्री डा. सुकामा के जीवन से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र व समाज निर्माण में योगदान दें। नई तकनीक, विज्ञान व भाषाएं अवश्य सीखें, लेकिन अपनी मूल वैदिक परंपरा को साथ अवश्य रखें।

छात्राओं द्वारा युग प्रवर्तक स्वामी दयानंद को समर्पित ऋषि गाथा कार्यक्रम की बेहतर प्रस्तुति दी। बच्चों के मैं कृष्ण हूं नृत्य नाटिका की प्रस्तुति पर पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। भगत फूल सिंह के जीवन को समर्पित नाटिका शिक्षा के ज्योतिर्पुंज के माध्यम से नारी शिक्षा में उनके योगदान को याद किया गया। समारोह में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में शिक्षा व खेलों में उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ हाउस की ट्राफी गंगा हाउस को प्रदान की गई।